INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF HUMANITIES AND INTERDISCIPLINARY STUDIES
( Peer-reviewed, Refereed, Indexed & Open Access Journal )
DOI : 03.2021-11278686 ISSN : 2582-8568 IMPACT FACTOR : 7.560 (SJIF 2024)

# अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों पर शैक्षणिक योजनाओं का प्रभाव एक अध्ययन मिर्जापुर जिले के विशेष सन्दर्भ में

## (A study on the impact of educational schemes on Scheduled Caste and Tribe people with special reference to Mirzapur district)

**डॉ. अरुण कुमार मिश्रा**
असिस्टेंट प्रोफेसर,
मधुस्थली इंस्टिट्यूट ऑफ टीचर ट्रेनिंग
सलैया, मधुपुर, देवघर, झारखण्ड
E-mail: arun1972anpara@rediffmail.com

**DOI No.** 03.2021-11278686 **DOI Link ::** https://doi-ds.org/doilink/01.2024-86912456/IRJHIS2401013

***शोध सार :***

*अनुसूचित जाति एवं जनजाति हेतु प्रस्तावित जितनी भी सरकारी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा योजनायें चल रही हैं, उसका जमीनी स्तर पर क्या –क्या प्रभाव पड़ा है उसकी वस्तुस्थिति सामने आ सकेगी। इस वस्तुस्थिति अनुसार सरकार और स्वयंसेवी संस्थायें उसकी उपयोगिता बढ़ाने हेतु सार्थक प्रयास करेंगी। जिससे योजनाओं का सार्थक लाभ उन्हें प्राप्त हो सकेगा जिसके वे हकदार हैं ।*

***मुख्य शब्द:*** *अनुसूचित जाति एवं जनजाति, सरकारी योजनायें, स्वयंसेवी संस्थाओं की योजनायें, सामाजिक स्थिति, आर्थिक स्थिति, राजनितिक स्थिति, शैक्षणिक स्थिति, जागरूकता ।*

**प्रस्तावना :**

१९५० में २१२ अनुसूचित जातियों एवं जनजातीयों की सूची तैयार कर उन्हें अनुसूचित जाति एवं जनजाति घोषित किया गया इसके आधार पर इन्हें अनेक संवैधानिक संरक्षण और सुविधाएं प्रदान की गई इन योजनाओं और सुविधाओं से उनका आर्थिक सामाजिक राजनीतिक विकास होने की व्यवस्था की गई यह समस्त सुविधा निम्नवत हैं –

(क) अनुसूचित जाति ध्जनजाति हेतु सरकारी छात्रवृत्ति योजना

(ख) दशमोत्तर छात्रवृत्ति

(ग) छात्रावास सुविधा

(घ) आश्रम सुविधा

(ङ) कन्या शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति

(च) निशुल्क पाठ्य पुस्तक का प्रदाय

(छ) विधि स्नातकों को आर्थिक सहायता

(ज) शिक्षित बेरोजगारों को सहायता

(झ) व्यवसायों हेतु प्रशिक्षण व ऋण

इसके अतिरिक्त उनके विकास के लिए नौकरियों में आरक्षण ग्राम पंचायत से संसद तक उनके लिए आरक्षण चिकित्सा सुविधा पेयजल सुविधा आवास सुविधा कानूनी व्यवस्था सहायता आदि योजनाएं उनके सामाजिक आर्थिक राजनीतिक उत्थान के लिए सरकार एवं अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा चलाया जा रहा है इनके विकास हेतु चलाए गए संवैधानिक व सरकारी योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है इस सकारात्मक प्रभाव से उनमें शिक्षा का प्रसार शासकीय सेवाओं में उनकी संख्या में वृद्धि उन में राजनीतिक चेतना का उदय हुआ साथ ही उनके समुदाय में व्याप्त अंधविश्वासों रूढ़ियों और गंदी प्रथाओं मे ह्रास हो रहा है शासन द्वारा उनकी समस्याओं के प्रत्येक पक्ष का विश्लेषण करते हुए उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु योजना बद्ध कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए हैं और उनके प्रभाव भी स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रहे हैं किंतु इतनी सुविधाओं के बावजूद वह अभी भी गरीबी पिछड़े पन अशिक्षा अंधविश्वास ऋणग्रस्ता मद्यपान बेरोजगारी आदि समस्याओं से पीड़ित हैं प्रस्तुत अध्ययन में मिर्जापुर जिले के अनुसूचित जाति जनजातीय पर इन कल्याणकारी योजनाओं के प्रभाव के साथ– साथ उन्हें लागू करने और स्वीकार करने में आने वाली समस्याओं पर अध्ययन किया जाएगा।

**उद्देश्य :**

इस शोध प्रबंध के निम्न उद्देश्य निर्धारित किया गया है –

१. मिर्जापुर जिले के अनुसूचित जाति एवं जनजातीयों के आर्थिक विकास की स्थिति और उनकी समस्याओं को सरकार के समक्ष प्रस्तुत करना
२. अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के विकास हेतु विभिन्न सरकारी योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी प्रदान करना
३. इन योजनाओं और सुविधाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बधाओं की जानकारी प्राप्त करना
४. सरकारी शैक्षणिक योजनाओं की जानकारी अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों को प्रदान करना और उन्हें लाभ प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना
५. स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा संचालित विकास कार्यक्रम और उनके प्रभावों को सभी के समक्ष प्रस्तुत करना
६. विकास योजनाओं और सुविधाओं की समस्त जानकारी उनके समक्ष प्रस्तुत करना
७. अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों में शिक्षा का प्रसार करना
८. उन्हें समाज के अन्य विकसित वर्गों के समक्ष लाने का प्रयास हेतु अन्य सुविधाओं की जानकारी प्रस्तुत करना

इस प्रकार इस अध्ययन के द्वारा अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के विकास हेतु विभिन्न योजनाओं कार्यक्रमों सुविधाओं आदि का विवरण प्रस्तुत कर उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

**परिकल्पना :**

१. अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों को सरकारी शैक्षिक योजनाओं की जानकारी होगी
२. अनुसूचित जनजाति एवं जनजाति के लोग सरकारी सुविधाओं का लाभ उठा रहे होंगे
३. अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों के विकास में सरकारी सुविधा कारगर होगी
४. अनुसूचित जनजाति एवं जनजाति के लोगों को मिलने वाली शैक्षिक सुविधा उनके विकास में योगदान दे रही होगी

५. सरकारी योजनाओं से अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों का सामाजिक आर्थिक राजनीतिक विकास हो रहा होगा

**शोध की सीमाएं :**

१. प्रस्तुत शोध मिर्जापुर जिले तक सीमित है

२. प्रस्तुत शोध मिर्जापुर जिले के पांच विकासखंड तक सीमित है

३. प्रस्तुत शोध पांच विकासखंड के पांच पांच गांवों तक सीमित है

४. लव शोध में केवल अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोग ही हैं

५. शोध अनुसूचित जाति एवं जनजाति के आर्थिक सामाजिक राजनीतिक स्थिति के अध्ययन तक सीमित है

**संबंधित साहित्य का संक्षिप्त पुनरावलोकन :**

अनुसूचित जाति एवं जनजाति पर कई शोध कार्य हो चुके हैं किंतु इनमें अभी तक सरकारी योजनाओं के प्रभाव के अध्ययन पर शोध की कमी है इस हेतु अध्ययन के लिए पूर्ववर्ती अध्ययनों का अवलोकन किया जाएगा जो निम्नवत है–

आदिवासी विकास –डॉ ब्रह्मदेव शर्मा,

गंगा घाटी की सभ्यता –डॉ जी आर शर्मा,

आदिवासी विकास –डॉ ए आर एन श्रीवास्तव,

भारत की जनजातीय संस्कृति –विजय शंकर उपाध्याय,

भारत में आदिवासी विकास की समस्याएं –पी आर नायडू,

भारतीय आदिवासी –एल पी विद्यार्थी

इसके अतिरिक्त अपने विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति एवं जनजाति पर किए गए शोध कार्यों का भी पुनरावलोकन किया जाएगा प्रस्तुत अध्ययन में इन समस्त जानकारी को संग्रहित कर उसका विश्लेषण किया जाएगा।

**शोध कार्य विधि में प्रस्तावित प्रविधि :**

शोध का क्षेत्र मिर्जापुर जिला तक है जहां सभी से जानकारी प्राप्त करना एक गुरुतर कार्य है अत: अध्ययन को सुविधा युक्त एवं सुलभ बनाने के लिए जिले के पांच विकासखंड का इस प्रकार चयन किया गया जिसमें दो विकासखंड में अनुसूचित जाति और दो विकासखंड में अनुसूचित जनजाति की आबादी अधिक है एवं एक विकासखंड सामान्य विकासखंड के रूप में चयन किया गया है प्रत्येक विकासखंड से २ ग्राम इस प्रकार चयनित किए गए हैं जिसमें एक में इनकी आबादी अधिक और एक में कम हो इसी तरह प्रत्येक ग्राम से २५ अनुसूचित जाति एवं जनजाति के व्यक्तियों एवं ग्राम के शिक्षा विभाग से संबंधित पांच कर्मचारी का चयन किया गया अत: कुल मिलाकर ३ इकाइयों का चयन किया गया है चयन हेतु अवलोकन प्रश्नावली आदि उपकरणों का प्रयोग आवश्यकता अनुसार करके आंकड़ों का संग्रहण किया जाएगा संग्रहित तथ्यों को सारणियों रेखा चित्रों दंड चित्रों आदि के द्वारा प्रदर्शित किया जाएगा इसके पश्चात आंकड़ों का विश्लेषण करके उस पर निष्कर्ष निकाले जाएंगे और पुन: उसके सामान्यीकरण का प्रयास किया जाएगा।अनुसूचित जाति एवं जनजाति के शैक्षिक, सामजिक, आर्थिक, राजनितिक स्थिति की जानकारी हेतु स्वयं द्वारा निर्मित अनुसूची का प्रयोग किया जायेगा।

**चर्चा एवं परिणाम :**

१. अनुसूचित जाति एवं जनजातियों के शैक्षणिक स्थिति की सही–सही जानकारी प्राप्त हो सकेगी

२. अनुसूचित जाति एवं जनजाति की सामाजिक स्थिति का पता चल सकेगा

३. अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों को प्राप्त सरकारी सुविधाओं की जानकारी प्राप्त हो सकेगी

४. अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों की आर्थिक स्थिति की जानकारी प्राप्त हो सकेगी

५. अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों को प्राप्त स्वयंसेवी संस्थाओं की सुविधा की जानकारी प्राप्त हो सकेगी

**निष्कर्ष :**

प्रस्तावित शोध कार्य मिर्जापुर जिले के अनुसूचित जाति एवं जनजाति की शैक्षणिक स्थिति का विवरण प्रस्तुत करेगा।अनुसूचित जाति एवं जनजाति की शिक्षा में आने वाली बाधाओं को प्रस्तुत करेगा, शासन और समाजसेवी संस्थाओं का ध्यान आकर्षित करेगा।प्रस्तावित शोध अनुसूचित जाति एवं जनजाति की सामाजिक आर्थिक राजनीतिक विकास की स्थिति पर भी प्रकाश डालेगा, प्रस्तावित शोध अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों में जागरूकता उत्पन्न करेगा।

**संदर्भ ग्रंथ सूची :**

१. वर्मा ओमप्रकाश–सामाजिक शोध एवं सर्वेक्षण

२. श्रीवास्तव डॉक्टर ए आर एन–जनजातीय भारत

३. नायडू पी आर –भारत में आदिवासी विकास की समस्याएं

४. वर्मा हरिश्चंद्र–भारतीय जनजाति संरचना एवं विकास

५. निर्गुणे बसंत–मध्य प्रदेश की प्रमुख जनजातियां

६. डॉ बघेल डी एस–सामाजिक अनुसंधान

७. डॉक्टर तिवारी शिवकुमार–मध्य प्रदेश के आदिवासी

८. डॉ शिवदास–भारत की जनजातियां

९. विद्यार्थी एल बी –भारतीय आदिवासी

१०. प्रोफेसर जैन श्री चंद–आदिवासियों के बीच मध्य प्रदेश